अध्याय- तृतीय
शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

अध्याय तृतीय
शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया

3.1 प्रस्तावना

अनुसंधान वह प्रक्रिया है जिसकी सहायता से अनुसंधान कार्य में सही दिशा की ओर अग्रसर होते है। कि शोध की एक व्यवस्थित रुपरेखा हो सके। इसमे प्रतिदर्श के चयन की अपनी भूमिका होती है। एक अच्छा प्रतिदर्श संपूर्ण समष्टि का वास्तविक प्रतिनिधित्व करता है। प्रतिदर्श जितने अधिक सुद्रढ होंगे परिणाम उतने ही अधिक शुध्द वैध एवं विश्वसनीय होंगे। इसके बाद उपकरण तथा चयन प्रविधि सार्थक होती है। जिसके आधार पर उन प्रदत्तो का संकलन किया जाता है।

अनुसंधान एक ऐसी व्यावस्ति विधि है जिसके दवारा नवीन तथ्यो की खोज तथा प्राचीन तथ्यों की पुष्टी की जाती है। तथा उनके अनुक्रमो पारस्परिक संबंधो कारणात्मक व्याख्याओं तथा प्राकृतिक नियमो का अध्ययन करती है जो कि तथ्यों को निर्धारित करते है।

किसी भी शोध समस्या के परिणाम प्राप्त करने और उनका विश्लेषण तथा व्याख्या करने के लिये एक सफल योजना की आवश्यकता होती है जो शोध कार्य मे सहायक सिध्द होती है। शोध समस्या के लिये न्यादर्श का चयन क्षेत्र का चयन प्रदतों का संकलन आदि उपकरण एवं प्रदत्तो का विश्लषण किया जाता है।

प्रस्तुत अध्याय मे समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की लिंग के आधार पर अभिवृत्ति को केन्द्रित किया गया है। यह अध्ययन एक वर्णात्मक सर्वेक्षण विधि है जिसके अन्तर्गत प्रदंतो का संकलन सर्वेक्षण विधि के दवारा किया गया है और प्रदंतो का विश्लेषण t-test दवारा किया गया है। इसमे नीति, आधारित, अभ्यास और माहौल को ध्यान मे रखकर लिंग के आधार पर समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षको की अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है।

3.2 विधि

प्रस्तुत शोध कार्य मे शोधार्थी दवारा वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

3.3 चर

शोध समस्या में निम्न चर है।

1. अभिवृत्ति

3.4 न्यादर्श व जनसंख्या

किसी भी अनुसंधान प्रक्रिया मे प्रतिदर्श का चुनाव एवं उनकी संख्या महत्वपूर्ण पहेलू होता है। प्रस्तुत अध्ययन मे समय को ध्यान मे रखते हुए प्रतिदर्श को चयनित किया गया है। जिसके अंतर्गत अपनी सुविधा के अनुसार चुनाव किया गया है। अर्थार्त शासकीय और अशासकीय **विश्वविद्यालय** मे जो प्रारंभिक शिक्षक मौजूद थे उन्ही से ही अपनी सुविधा अनुसार सूचना को संग्रहित किया गया है। प्रस्तुत शोध कार्य के लिये शोधार्थी दवारा प्रतिदर्श के चयन के लिये शासकीय और अशासकीय **विश्वविद्यालय** को लिया गया है, जिसके अंतर्गत पांच शासकीय एवं पांच अशासकीय है जो कि शहरी क्षेत्र से लिये गये है।

प्रस्तुत शोध कार्य हेतू शोधार्थी दवारा 70 प्रारंभिक शिक्षको का चयन किया गया है, क्योंकि इस स्तर पर उन्हे विद्यार्थीयों के प्रति अधिक सहानुभूति होती है। जिसमे 19 पुरुष शिक्षक और 51 महिला शिक्षकों को लिया गया। जिसमे उनकी अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है।

जनसंख्या- प्रारंभिक शिक्षक इस शोध अध्ययन मे शोधार्थी दवारा प्रारंभिक शिक्षको को लिया गया है।

न्यादर्श- 70 प्रारंभिक शिक्षक जिसमे 19 पुरुष शिक्षक एवं 51 महिला शिक्षको को लिया गया है।

3.5 उपकरण

शोध मे प्रदंतो का संकलन करने हेतू विभिन्न प्रकार के उपकरणो की आवश्यकता होती है जिससे प्रदंतो के विश्लषण तथा व्याख्या करने मे सरलता होती है। शोधार्थी दवारा चयनित किया गया उपकरण स्वनिर्मित है। जो कि विस्वसनीय एवं उद्देश्यपूर्ण है जिसमे सकारात्मक और नकारात्मक नीति आधारित, अभ्यास आधारित और माहौल पर आधारित संबंधित कथनो को चयनित किया गया है। समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की अभिवृत्ति की प्रक्रियाओ का अध्ययन करने के लिये निकट मापनीय के आधार पर शोधार्थी ने अभिवृत्ति मापनी को 5 स्कोरिंग से विकसित किया है। (पूर्णतः सहमत, सहमत, अनिश्चित, असहमत, पूर्णतः असहमत)

अभिवृत्ति पता करने के लिये कथनो के दवारा स्कोर किया गया है। जो पूर्णतः समावेशी शिक्षा पर आधारित है तथा अभिवृत्ति मापनी कथनो के रुप मे इन कथनो का उत्तर प्रारंभिक शिक्षको दवारा दिया गया है। इन्ही उत्तरो के आधार पर शोधार्थी दवारा प्रदंतो का संकलन किया गया है। जिसमे सकारात्मक कथन के लिये पूर्णतः सहमत के लिये 5 नंबर और सहमत के लिये 4 नबंर, अनिश्चित के लिये 3 नंबर और असहमत के लिये 2 नंबर और पूर्णतः असहमत के लिये 1 नंबर दिया गया है। इसी प्रकार नकारात्मक कथन के लिये पूर्णतः असहमत के लिये 5 नंबर, असहमत के लिये 4 नंबर, अनिश्चित के लिये 3 नंबर, सहमत के लिये 2 नंबर और पूर्णतः सहमत के लिये 1 नंबर दिया गया है।

1. समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की अभिवृत्ति को जानने के लिये निकट मापनी के आधार पर रचनावली बनाई गयी है, जिसमे 40

कथन है। समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की अभिवृत्ति मापने के लिये राजपूत जगमोहन सिंह देवल, ओंकारसिंह मिश्र, चौधरी हेमकांत मिश्र, चंदपूरण की विध्यालय शिक्षा के क्षेत्र मे अनुभूति प्राप्त की गयी। (एन.सी.ई.आर.टी.) की सहायता ली गयी इसमे प्रदंतो के संकलन के लिये शोधार्थी सर्वप्रथम विध्यालय के प्राध्यापक से व्यक्तिगत रुप से मिली तथा उन्हे अपने लघु शोध के उद्देश्य से अवगत कराया । उन्होने शोध की उपयोगिता को समझकर अनुमति प्रदान की प्राध्यापक की अनुमति मिलने के पश्चात विध्यालय के प्रारंभिक शिक्षको से मिली और उनसे आग्रह किया कि मुझे आप सभी से समावेशी शिक्षा के बारे मे जानकारी लेनी है। कृपया आप मेरी मदद करें, जिसमे आपकी निजी जानकारी भी लेनी है। अतः आपकी निजी जानकारी को पूर्ण तरीके से गोपनीय रखा जायेगा। आप सभी प्रदंतो के संकलन हेतू सहायता प्रदान करे।

इसी प्रकार 10 स्कूलो की प्रारंभिक शिक्षको से अध्ययन के लिये संग्रहित किया गया जिसमे से 05 अशासकीय और 05 शासकीय विध्यालय लिये गये।

3.6 सांख्यकीय विश्लेषण

प्रस्तुत शोध अध्ययन मे शोध के आधार पर शोधार्थी दवारा समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको की अभिवृत्ति का अध्ययन करने के लिये t- test का उपयोग किया गया है। जिसमे समावेशी शिक्षा के प्रति प्रारंभिक शिक्षको का अध्ययन लिंग के आधार पर किया गया है। जिसमे नीति पर लिंग के आधार पर अध्ययन किया गया है। अभ्यास पर लिंग के आधार पर और माहौल पर लिंग के आधार पर अध्ययन समावेशी शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति का अध्ययन किया गया है।